विचार सासिक पहिल्हा

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 6, अंक 67

माह - जुलाई, 2024, मूल्य : नि:शुल्क



अभिभावक एवं बच्चे बनायें मोबाइल से दूरी, विषय पर कार्यशाला

पदाधिकारी



कपिल मलैया संस्थापक अध्यक्ष



सुनीता अरिहंत कार्यकारी अध्यक्ष



सौरभ रांधेलिया ग्राध्यन



आकांक्षा मलैया _{शचिव}



विनय मलैया कोषाध्यक्ष



नितिन पटैरिया मुख्य संगठक



अस्विलेश समैया भीडिया प्रभारी



हरगोविंद विश्व मार्गदर्शक



रानेश सिंघई मार्गदर्शक



श्रीयाँश जैन मार्गदर्शक



अनिल अवस्थी मार्गदर्शक



गुलझारी लाल **जै**न ^{मार्गदर्शक}



अर्चना रांधेलिया मार्गदर्शक



अंशुल मार्गव मार्गदर्शक



डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत नए इनीशिएटिव करने वाले सफल उद्यमी की कहानी

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत व लक्ष्य का होना अनिवार्य



मयंक पांडेय ने फूडी अड्डा से की स्वरोजगार की शुरूआत

मेहनत और निरंतर प्रयास ही सफलता की सीढ़ी हैं। जीवन में आगे बढ़ने और निरंतर सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए महान लक्ष्यों का होना अनिवार्य है। लक्ष्यों के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। हमें क्या करना है यह निर्धारित करना चाहिए। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें और इसे हासिल करने के लिए दिन-रात एक कर खूब मेहनत करें। वर्तमान समय में जहां हर कोई एक-दूसरे से आगे बढ़ने की जुगत में लगा रहता है। वहीं कुछ लोग शार्ट कट से आगे बढ़ने में भी नहीं कतराते। उन्हें लगता है कि कुछ भी करके खुद को श्रेष्ठ साबित कर सकते है। उनकी सफलता स्थायी नहीं होती। स्थायी सफलता चाहिए तो शार्टकट न अपनाएं। हम आपको हर माह लाते है ऐसे हुनरमंद युवाओं की कहानी जो आपको रास्ता दिखाती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

युवा उद्यमी का परिचय - मयंक पांडेय मूलतः सागर के रहने वाले है। मयंक के पिता पुलिस विभाग से रिटायर हुए है। बड़ा भाई आर्मी में अफसर है। मयंक ने बी.एस.सी. कंप्यूटर साइंस से की और इंदौर से मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की तैयारी करने लगे। कुछ परीक्षाओं के बाद जब उन्हें उचित सफलता नहीं मिली तब उन्होंने स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम रखा।

फूडी अड्डा से की स्वरोजगार की शुरुआत- मयंक कहते है इंदौर में रहते हुए मुझे यह समझ आ गया था कि व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ नया करना है। मैंने वहां देखा सागर में क्या चल सकता है। उसके बाद मैंने घर वालों से बात की तो उन्होंने कहा अभी पढ़ाई कर लो, अभी तुम्हारी यह सब करने की उम्र नहीं है। बड़े भाई ने एक दिन पूछा कि तुम्हारा मन क्या करने का है। मैंने उनसे कहा रेस्टोरेंट ओपन करना चाहता हूं। उन्होंने कहा उसके लिए बहुत पैसे की जरूरत पड़ेगी तकरीबन 70 लाख के लगभग इतना हमारा बजट नहीं था। उन्होंने कहा अभी छोटे रूप में रेस्टोरेंट से शुरुआत करो तब तक अच्छा अनुभव आ जायेगा। मैंने काफी खोजबीन की, अभी क्या चल रहा? कैसे छोटे रूप में शुरुआत की जा सकती है? मैं दिल्ली गया वहां जाकर देखा कि फूड कार्ड बनते है, दिल्ली से फूड कार्ड बनवाया और अपने फूडी अड्डा नाम से रेस्टोरेन्ट की शुरुआत की। हमारे रेस्टोरेंट में दिल्ली के स्पेशल नॉन कुलचे, नूडल्स, मोमोज, छोले-कुलचे आदि बहुत सारे फूड आइटम्स उपलब्ध है।

स्वदेशी मेला से हुई थी स्टार्टअप की शुरुआत- मेरी फूडी अड्डा की शुरुआत स्वदेशी मेले से हुई थी। मुझे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला था और वहां से मुझे लगा था कि रेस्टोरेंट में सफलता पाई जा सकती है। स्वदेशी मेला अन्य मेलों से हटकर था। इस मेले में सब कुछ था। मेले में पहली बार मंच शो, कुश्ती और बहुत सारी चीजें हमें देखने को मिली। यह स्वदेशी मेला सागरवासियों एवं हम सभी लिए एकदम नया था। हमारे व्यवसाय से तीन से पांच लोग लगातार रोजगार पाते है। अब भविष्य के तौर पर मैं इसकी फ्रेंचाइजी शेयर करना चाहता हूं। लोग फूडी अड्डा से जुड़ें और आगे बड़ें।

युवाओं के लिए आपके क्या विचार है - मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगा कि आप पढ़ाई करिए लेकिन अगर शिक्षा के क्षेत्र में सफलता न मिल पाए तो कोई न कोई व्यवसाय करने में बिलकुल न हिचकिचाएं। युवाओं के मन में या सामान्य हमारे यहां सामाजिक व्यवस्था ही ऐसी बनी हुई है। एक तो युवा बहुत ही अविश्वास से भरे रहते है वे तय ही नहीं कर पाते आखिर उन्हें क्या करना चाहिए। जैसे-तैसे वह कुछ करते भी है तो परिवार, आस पड़ोस उन्हें एकदम मना कर देते हैं। ऐसा न करो बगैरा-बगैरा। ऐसे समय में युवा हर चीज पर अपनी नजर बनाये रखें उन्हें लगता है कि यह करके सफलता पा सकते तो बस शुरुआत करें। आप अपने व्यवसाय के साथ में पढ़ाई कर सकते हैं। किसी भी तरह के गलत कदम ना उठाएं। अगर एक दरवाजा बंद होता है तो हमेशा सौ दरवाजें खुलते है। यह कहावत एकदम सत्य है। कुछ भी खत्म नहीं होता हमें हर चीज से सीखने को मिलता है। अक्सर हम बस मान लेते है कि उसके साथ यह हुआ या किसी को व्यवसाय में घाटा लगा तो मुझे भी लगेगा। अगर हम मेहनत के साथ कुछ भी व्यवसाय शुरू करते हैं आपको सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। अभी मेरी उम्र 22 वर्ष है, मैंने अभी से जब व्यवसाय की शुरुआत की है तो अगला कदम मेरा इस व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का होगा। मैं अपने काम से बहुत संतुष्ट हूं। ज्ञातव्य हो कि सागर के पीटीसी ग्राउंड में लगे . स्वदेशी मेला में स्थानीय लघु उद्योगों को बढ़ावा मिला है। इस मेले का उद्देश्य देश की विरासत, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देना है। यह आयोजन पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच, बाजार और रोजगार के अवसर प्रदान करता है, जिससे उन्हें विपणन और बड़े ऑर्डर हासिल करने में सहायता मिलती है।

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा ग्राम हंसेरा में हुई स्थापित



गणेश प्रसाद वर्णी जी के रथ को विधि विधान से पूजा अर्चना कर रवाना किया।

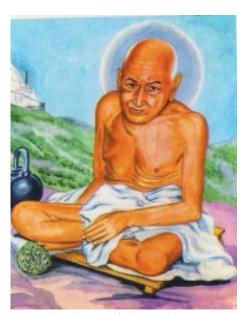
गणेश प्रसाद वर्णी जी की 4 फुट की प्रतिमा ग्वालियर से वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के अंतर्गत न्यायमूर्ति विमला जैन सुरेश चंद जैन आईएएस भोपाल के सहयोग से बनवाई गई है। रथ सार्थी कपिल मलैया ने परिवार सहित प्रभावना रथ पुण्यार्जक के रूप में रथ को विधि विधान पूर्वक शुभारंभ कराया। यह प्रतिमा अलग-अलग स्थानों पर भ्रमण करते हुए उनके जन्म स्थान लिलतपुर जिला के मड़ावरा ब्लाक के ग्राम हंसेरा में स्थापित की गई।

समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि वर्णी जी असाटी समुदाय के थे। जबिक असाटी ज्यादातर वैष्णव होते हैं, उनके पिता की णमोकार मंत्र में गहरी आस्था थी। वे एक जैन परिवार के पड़ोस में रहते थे और मंडावरा में अपने घर के पास जैन मंदिर जाते थे। वहां के व्याख्यानों से प्रभावित होकर दस वर्ष की आयु में उन्होंने जीवन भर सूर्यास्त से पहले भोजन करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि गणेश प्रसाद वर्णी ने सत्य, अहिंसा, संयम का जीवन व्यापी व्रत ग्रहण किया। उन्होंने अशिक्षा के अंधकार में डूबे समाज को उजियारे की किरणें प्रदान की। जीवन में कठोर श्रम और संघर्षों के बीच सफलता के बीज बोये। पूरे जीवन भर उन्होंने परिस्थितियों को अपने उद्देश्य के सामने नत-मस्तक कराया। विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने सत्य-अहिंसा को अपना कर आगामी मार्ग को ही प्रचारित और पृष्पित किया। समाज, राजनीति एवं समय के साथ समझौता नहीं किया। जगह-जगह पाठशालाएं, विद्यालय खुलवाये, लेकिन न तो अर्थ संग्रह और न व्यवस्था को अपने पास कभी रखा।

बालचंद सवालनवीस के प्रोत्साहन और कंड्या, मलैया और अन्य परिवारों और सिंघई कुंदनलाल आदि के समर्थन से उन्होंने सतर्क -सुधातारिंगिनी जैन पाठशाला की स्थापना में मदद की, जो अब सागर में प्रसिद्ध गणेश दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय के नाम से पहचानी जाती है।

इस अवसर पर मनीष विद्यार्थी रथ संयोजक, प्रीति मलैया, अनुष्का मलैया, डॉ. हिरेश चंद जैन शास्त्री, जीवन्धर शास्त्री जबलपुर, संजय शास्त्री पावला, सुनील शास्त्री दलपतपुर, राजकुमार कर्द, सुरेश शास्त्री सागर, राजेंद्र शास्त्री दलपतपुर, संजय शास्त्री तिगोड़ा, उत्तमचंद, आशीष शास्त्री सीकर, विमल शास्त्री सागर आदि उपस्थित थे।

वर्णी जी द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थाएं - 1. स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस, 2. श्री गणेश दिगंबर जैन संस्कृत महाविद्यालय, सागर. 3. श्री दिगंबर जैन महिला आश्रम सागर, 4. श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ विद्या मंदिर बरूआसागर (झांसी), 5. पुष्पदंत दिगंबर जैन विद्यालय शाहपुर, 6. श्री गणेश दिगंबर जैन गुरूकुल उच्च. माध्य. विद्यालय जबलपुर, 7. श्री दिगंबर जैन वर्णी इंटर कॉलेज ललितपुर, 8. जैन गुरूकुल हायर सेकेण्डरी स्कूल खुरई, 9. ज्ञानवर्धक जैन पाठशाला इटावा, 10. श्री कुंद-कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुजफ्फरनगर, 11. श्री शांतिनाथ जैन संस्कृत विद्यालय सिद्धक्षेत्र अहारजी टीकमगढ, 12. श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन हायर सेकेण्डरी स्कूल ईसरी झारखंड, 13. सगन्तभद्र विद्यालय देहली, 14. श्री महावीर दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय साडुमल ललितपुर, 15. गुरूदत्त दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय द्रोणगिरी छतरपुर, 16. वर्णी दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय रेशंदीगिरी।



17. श्री गणेश वर्णी दिगंबर जैन गुरूकुल पटनागंज रहली सागर. 18.श्रीशांति निकेतन दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय कटनी, 19. श्री वर्णी उच्च. माध्य. शाला मडावरा, 20. श्री वर्णी इंटरकालेज विदिशा, 21. दिगंबर जैन वर्णी गुरूकुल सहारनपुर, 22. हीरापुर में पाठशाला, 23. शाहगढ में पाठशाला, 24. दलपतपुर में पाठशाला, 25. बकस्वाहा में पाठशाला. 26. बंडा में पाठशाला. 27. नीमटोरिया में पाठशाला. 28. भगवां में पाठशाला, 29. जनता हाई स्कूल बडामलहरा में पाठशाला, 30. गोरखपुर में पाठशाला, 31. सतपारा में पाठशाला, 32. मढ़देवरा में पाठशाला, 33. सैदपुर में पाठशाला, 34. सतना में पाठशाला, 35. कुरहैडी में पाठशाला, 36. एटा में पाठशाला, 37. बबीना में पाठशाला, 38. दरगुंवा में पाठशाला, 39. बरायठा में पाठशाला, 40. घुवारा में पाठशाला, 41. बड़गांव कटनी में पाठशाला. 42. त्रिशलानंदन पाठशाला गौराबाई जैन मंदिर, सागर, 43. जैन पाठशाला चौधरी मंदिर गढाकोटा।

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए विचार समिति ने किया कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन : कपिल मलैया



बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के टिप्स देते हुए समिति अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार सिमिति ने तिलकगंज स्थित विचार परिसर में "अभिभावक एवं बच्चे बनायें मोबाइल से दूरी" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में अध्यक्ष किपल मलैया ने बताया कि मोबाइल का उपयोग उतना ही करो जितना जरूरी है, सुबह और सोते समय तो मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल ही नहीं करना चाहिए। स्क्रीन पर देखते-देखते नजदीक की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं लेकिन दूर की दृष्टि धुंधली होने लगती है और यही वजह है कि चश्मा लगने की नौबत आ जाती है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों की ये शिकायत होती है कि उनका बच्चा दिनभर मोबाइल से चिपका रहता है। हालांकि, इसकी वजह खुद अभिभावक भी हैं, क्योंकि जब बच्चा छोटा होता है तो उसे मोबाइल दिखाकर खाना खिलाते हैं एवं बच्चों को समय देने के बजाए मोबाइल पर ही अधिकांश समय खुद ही व्यतीत करते हैं। घर में बड़े को देखकर बच्चों को भी मोबाइल की लत लग जाती है। इससे घर का माहौल तो खराब होता ही है, साथ ही बच्चे भी चोरी-छिपे मोबाइल देखने लगते हैं। जिससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। इसके बाद मोबाइल की लत छुड़ाने के लिए अभिभावकों को काफी परेशानी का समाना करना पड़ता है। अभिभावक और बच्चों में स्मार्टफोन दूरी भी बढ़ा रहा है। कुछ तरीके हैं जिनकी मदद से बच्चे एवं स्वयं को फोन की लत से दूर रख सकते हैं।

समय सीमा तय करें - सबसे पहले मोबाइल के इस्तेमाल को कम करना शुरू करें। इससे न सिर्फ मोबाइल से ब्रेक मिलेगा बल्कि आप अपने दूसरे कामों में भी मन लगा पाएंगे। बच्चों की फोन की आदत छुड़ाने में ये तरीका बेहद कारगर माना जाता है।

लक्ष्य तय करें - मोबाइल को उपयोग करते समय यह तय करना चाहिए कि आप किस उदेश्य से मोबाइल का उपयोग कर रहे है। मनोरंजन, ज्ञान, व्यवसाय आदि किस क्षेत्र का उपयोग करना चाहते है, वह चुने। अन्य कार्यों को प्राथमिकता दें - मोबाइल का उपयोग करने की जगह अन्य कार्यों को प्राथमिकता दे जैसे किताब पढ़ना, फिजिकल एक्टिविटी, प्रकृति के साथ समय बिताना, ध्यान और अपनों के साथ समय बिताना।

नोटिफिकेशन बंद करें - नोटिफिकेशन की फैसिलिटी को हटा दें और सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

जरूरत पड़ने पर ही मोबाइल का इस्तेमाल करें - हम लोग जब भी फ्री होते हैं तो मोबाइल से रील्स या फेसबुक देखने लगते हैं। आपको फोन का इस्तेमाल सिर्फ तभी करना चाहिए जब आपको जरूरत हो।

सोते समय फोन दूर रखने की आदत बनाएं - अगर आप देर रात तक फोन चलाते हैं, तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल दें। इससे आपकी आंखों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इससे नींद प्रभावित होती है और तनाव महसूस हो सकता है। ऐसे में सोते समय फोन को दूर रखने की कोशिश करें।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने सभी अभिभावक और बच्चों का आभार माना।मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, सरिता गुरू, प्रभा साहू, अनीता चौधरी, पूनम मेवाती, कुसुम केशरवानी, ऊषा केशरवानी ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में प्रीति मलैया, प्रशांत जैन, पूनम पटैल, अंजली पटैल, संगीता प्रजापित, श्रद्धा कुशवाहा, दीप्ति कुशवाहा, स्वाती साहू, सुषमा साहू, अंबिका साहू, मंजू शर्मा, संध्या लम्बा, मयंक दुबे, सामर्थ, शशांक, आविरल, अंश पचौरी उपस्थित थे।

कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में लगाए थे पौधे, अच्छी देखरेख में 40 से 45 फीट के पेड़ हो गए

कोरोना की पहली लहर के दौरान जब कोई घर से बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था उस दौरान जरूरतमंद लोगों को सेवाएं देने वाले 31 कोरोना वारियर्स के सम्मान में विचार समिति प्रांगण में कोनोकार्पस के 14 पौधे रोपे गए थे। रोपते समय इन छायादार पौधों की ऊंचाई करीब 4 से 5 फीट थी। चार साल तक इन पौधों की समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा इतनी अच्छी देखभाल की गई कि यह 40 से 45 फीट ऊंचे हो गए हैं। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि सम्मान के अलावा इन पौधों से लगी दीवार पर उन वारियर्स के नाम की पट्टी लगी है, जिन्होंने कोरोना काल में समिति के जिरए हजारों लोगों की मदद की थी। पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान इसलिए दिया गया, क्योंकि यह संकट के दौरान बिना डरे मदद करने वाले योद्धाओं के सम्मान के रूप में लगाए गए थे।

विचार सिमिति ने मेडिकल कालेज में कोरोना वार्ड के बाहर 6 माह तक हेल्प डेस्क का संचालन किया था जिसमें 1490 मरीजों की सहायता की थी, इसके अलावा राशन किट, भोजन, अनाज, सैनिटाइजर जल की व्यवस्था की थी जिसे इन कार्यकर्ताओं ने न केवल बस्तियों में घर-घर जाकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया बल्कि व्यवस्था संभाल रहे सुरक्षा, पुलिसकर्मियों को भी समय-समय पर सैनिटाइजर एवं अन्य सुरक्षा सामग्री की आपूर्ति कर उनका हौसला बढ़ाया था।



इन कोरोना वारियर्स के सम्मान में लगाए गए थे पौधे: राजेश सिंघई, सुनीता अरिहंत, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, सूरज सोनी, सौरभ रांधेलिया, रामकृष्ण मिश्रा, कार्तिक भाई पटेल, धवल कुशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम, देवेन्द्र वर्मा, सुनील जादूगर, राहुल अहिरवार, शिखा चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, विनोद विश्वकर्मा, सुनील साहू, साहब सिंह, नीलेश पटेल, अरविंद अहिरवार, राम कुमार बाल्मिकी, बद्री सेन, इंदरसिंह, जवाहर लाल अहिरवार, प्रदीप आठिया, रामकुमार रैकवार, शरद मोहन दुबे, संजेश सिंह और आशीष सिंह।

नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान : बैठक में समिति ने किया आव्हान, पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आएं

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है, 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प

विचार सिमिति कार्यालय में रिववार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। सिमित ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे मंगलिगरी में तैयार किए गए हैं। बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है जिसमें सदर उत्सव सिमित 5100 पौधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार योद्धा कल्याण सिमित 2500 पौधे, 10वीं बटालियन 2500 पौधे, रोटरी क्लब सेंट्रल 630 पौधे, राजेश मलैया 500 पौधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पौधे, एकता सिमित 100 पौधे, आलोक जैन 100 पौधे, ऋषभ सिंघई, सुशील जैन 100 पौधे, सुधीर जैन 100 पौधे, पूनम मेवाती ने 10 पौधे लगाने का निर्णय लिया है।



बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार नीम के पौधे लगाने का संकल्प लिया।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पौधे जब बड़े हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्यावरण जलवायु को सुधारने में सहायता करेंगे। पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है क्योंकि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पौधे पर एक व्यक्ति के नाम की तख्ती दी जाएगी। इस पौधे को तैयार करने के लिए मंगलिगरी में पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और देखरेख से यह पौधा दो से तीन फुट का तैयार हो गया। उन्होंने आव्हान किया है कि पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आयें।

सुनीता अरिहंत ने बताया कि पौधे लगाने के बाद 15 नवंबर 2024 को पौधों का समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा। जिसके पौधे सबसे अच्छे होंगे उनको समिति द्वारा 31 दिसंबर 2025 को उपहार भी दिया जाएगा।

राजेश मलैया, अखिलेश समैया ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियों, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयाँ बनती हैं। नीम की दातून दाँतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए।

मार्गदर्शक राजेश सिंघई, श्रेयांश जैन, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया शहर की समस्त संस्थाओं से आव्हान किया है कि इस पेड़ योजना से जुड़कर सिमित द्वारा लिया गया 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प पूरा करने में अपना सहयोग करें। सिमित सदस्य राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापित ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में रिव उमाहिया, सूरज सोनी, सुभाष कंड्या, विजय जैन, कौशल पहलवान, ध्रुव केशरवानी, अभय केशरवानी, संजय केशरवानी, टिंकू केशरवानी, चंदन साहू, सोनू जैन, कुसुम केशरवानी, नीता केशरवानी, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव, अरविंद अहिरवार, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति व योगा के साथ हुआ समर कैंप का समापन

बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार मिल सके इसलिए गांव में खोला इंग्लिश मीडियम स्कूल



समर कैंप के समापन पर शिक्षक, बच्चे और अभिभावकों का सम्मान किया गया।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में आठ दिवसीय समर कैंप का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन, स्वागत गीत, बच्चों की मनमोहक प्रस्तुती एवं योग के साथ हुई। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक से बढकर एक शानदार प्रदर्शन देख अभिभावकों के चेहरों पर प्रसन्नता की झलक दिखाई दी। समर कैंप में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से जोडा गया था जैसे- योगा, मेडिटेशन, पौधारोपण, चित्रकला, नृत्य, गायन, पेपर कास्टिंग, फैंसी ड्रेस, कलर भरो प्रतियोगिता, डिस्पोजल गेम्स, फनी गेम्स, खो-खो, कैरम, कबड्डी, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आदि।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने सभी शिक्षकों को गोमय शील्ड, माला, श्री यंत्र से सम्मान किया एवं बच्चों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि मैं शहर में भी स्कूल खोल सकता था लेकिन इंग्लिश मीडियम स्कूल की ज्यादा जरूरत गांव में है ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें। आने वाले वर्षों में इस प्रकार के आयोजन को किस प्रकार और अधिक क्रियाशील. रचनात्मक तथा रोचक बनाया जाए, विद्यालय इसकी योजना में काम करेगा। उन्होंने बच्चों को योग कराते हुए योग के फायदे बताए। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस कैंप के माध्यम से आपने आठ दिन में जो सीखा उसे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करते रहना।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया था। ऐसे आयोजन से बच्चों के भीतर छुपी हुई प्रतिभा को निखार कर सामने लाने में मदद मिलती है। समर कैंप बच्चों को सभी के साथ खुलकर घुलने-मिलने का मौका देता है।

प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार खेल और अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कैंप में बच्चों को बताया गया कि कैसे वह पढाई के साथ-साथ अपनी पसंद के गेम में अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। शिक्षक रागिनी राय, खुशबु चढार, पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया था। कार्यक्रम का आभार मोहन पवार ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर कुंदन लाल रिछारिया, गजराज सिंह राजपूत, सत्यवीर चढार, नरेन्द्र ठाकुर, गजेन्द्र रावत, करतार राय, नन्नूराम चढार, कैलाश कुर्मी, धर्मेन्द्र राय, महेन्द्र विश्वकर्मा, बुजिकशोर चढार, विकास सेन आदि उपस्थित थे।

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का विचार समिति ने किया स्वागत



पदयात्रा का स्वागत करते हुए समिति अध्यक्ष कपिल मलैया एवं कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत।

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा सागर पहुंची। विचार सिमित द्वारा मोतीनगर चौराहा पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया था। सभी पदयात्रियों ने विचार सिमित कार्यालय का भ्रमण किया। पदयात्रा में दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदलयात्रा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे देश का युवा नशे से ग्रसित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जगह योगाभ्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए। सिमित द्वारा स्वागत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट किया।

रायबरेली से समाजसेवी आशीष शुक्ल का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामिसंह, प्रदीप वैरागी, मखान लाल धाकड़ आदि शामिल हैं। सिमिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी किपल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घड़ी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से सिमिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान सभी पदयात्रियों को शक्ति दें तािक निर्विघ्न यात्रा सम्पन्न हो सके। पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रिवन्द्र ठाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापित, भाग्यश्री राय, गंगाराम आदि ने स्वागत किया।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया



युवाओं को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर मंगलवार को मैजेस्टिक प्लाजा में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक किपल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हौसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गुण विकसित हो सकें। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। हमें आपदा में अवसर को तलाशना चाहिए, भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। यह आबादी आपदा न होकर एक अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

बैठक में मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी जयकुमार जैन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारे मन में बहुत काम करने की इच्छा होती है परन्तु डर के कारण न तो हम कुछ कर पाते है न ही कोई निर्णय ले पाते है। सरकार ने सभी सुविधाएँ दी है बस आपको आगे आने की जरूरत है। स्वावलंबी भारत अभियान आपकी मदद के लिए है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यवसायी मनोज़ राय ने युवाओं को व्यवसाय चुनने पर प्राथमिकता देते हुए कहा कि व्यवसाय से जुड़ें सभी मुद्दों पर अच्छे से जानकारी जुटाएं फिर आगे बढ़े तो निश्चित ही सफलता मिलती है। कार्यशाला के अंतिम सत्र में युवाओं की स्वरोजगार से जुड़ी शकांओं का समाधान किया गया। 100 से अधिक युवाओं ने स्वरोजगार कार्यशाला से जुड़कर लाभ उठाया। बैठक का आभार जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र ठाकुर ने माना। इस अवसर पर प्रांतपूर्ण कालिक संजय रावत, प्रो आर सी प्रजापति, नवीन सोनी, राजेश गौतम, अधिराज वर्मा, आदित्य विक्रम, योगेश सेन, राजीव तोमर, शुभ शर्मा, रचना पटेल, एकता कोर, हिमांशी पटेल, सृष्टि दुबे आदि उपस्थित थीं।

मीडिया कवरेज

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा 22 जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी, रथ रवाना

also for stood is stoom क्षेत्र को अपन को प्रतिकार प्रश्लेष प्रत्य क का व पूर का सामन उनक कन सकार तरिवाद के महाचार मानक के प्राप क्षेत्र में 22 पूर को स्वर्धित की कार्यों नेपालका की इस प्रीतन के एवं की सामाजीकी करिया पार्टिक face, so no alternated in such आपना के वर्द तार्थ में प्रमय बोगा जीवर वर्षी संस्था विकास राज सारं हा जान्यति विकास के व पूर्व अक्टाल बूटेंग चंद के जेवल के स्वाचेंग के प्रवृत्तिक से केवल कार्य्य मुं है।

इस अवसर पर करिश करिय में बात कि वर्गी जी अवादी समूचन के के अवादी जाताज केला होते. हैं, उनके दिला की गार्ककर के वे earth server with its tree: the refreen के पहुंच में को ने और महाना में क्ष्मी पर के पान की सीत करें के वर्त के म्यापनार्थ से प्रश्नीता तीकर के बीत्स्वार जब केंद्रण, मार्थिक एक वर्ष की आहु में उन्होंने जीवन और तिर्चा कुंडरवला अतीर क्रीत



धर सुबोरत से पार्टी चीवन बार्ट का संकार रिका अवीरे करण कि रुपेस करण करों ने करा, अधिक, रांका का जीवा जाती का प्रता form malfit safetar in shown प्रदान की: जीवन में करोर बन औ तर्वती के बीच समझ राजनीर एवं तराव के तक राज्यीत वर्त वित्यः परिच ने बता कि वर्णाते ने जन्म-जन्म पात्रकार्ता, विद्याल special, other is all other aft is special in

and the worst mountain

this of refreshilk received a stable की स्थापन में बहुद की, पी उस कंपना विकास के रूप से फारती

वर्तम रिकार्ड सीर परिष्, अनुमा परिष, इर्ड, इरिल चंद रिप स्वस्थी कैरण प्राप्त प्रधानु शंका साम्बे प्रथम, पूर्वत साम्बे प्रमानु, ताकुका वर्ष, गृंद सामे, तांदु साम्बे प्रमानु, stay perd felty, needs

हंसेरा में स्थापित होगी गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा, सागर से रथ रवाना

वर्ण की 4 फीट की प्रतिमा ग्वातिका से वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के अंतर्गत न्यायपूर्ति वियत्त जेन, मुरेश चंद्र जैन अझेएएम चेपाल के सहयोग में खनवर्ष गई है। यह प्रतिमा अलग-अलग स्थानी पर ध्रमण करते हुए वर्णी से के जन स्थान लितापुर जिला के मंत्रका प्रकार के ग्रम हंसेत में 22 जून की स्थापित की जारगी। यह एवं सागा से शुरू होकर विधिन म्याने पर जाता।

करित मतेव ने बताब कि वणीजी असाटी समुदाय के थे। जबीर अगरी ज्यातन वेजव होते हैं, उनके पिता की पानेकार मंत्र में राजी अक्स की से एक जैन परिवार के पहोल में रहते में और



बंदायत में अपने पर के पान जैन को जीवको को किरमें प्रकार की वंदिर जाते थे। बड़ां के व्यक्तवनी से इस अवसर पर मनीय विद्यार्थी, प्रीति गतेय, अनुका मतेय, इं. इरित प्रचावित होकर दश वर्ष की आयु में चंद जैन साओ, जीवन्ध्र साओ उनोंने जीवन था मर्वास्त में पाले भीजन करने का संकल्प लिया। जवलपुर, संजय शासी, सुनील उन्होंने बताय कि गर्नेश प्रवाद कर्नी तारवे, राजकुमा, राजेंद्र तारवे, ने पत्त, अंतिमा, संतम का जीवन गंजप सामी, उत्तरपंद, आसीप व्यापी द्वार त्राम किया। उनोने सम्बो एवं विमत सम्बो आदि अशिक्षा के अंधकार में दुवे समाज

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा २२ जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी

जनविश्वती- गर्जेद तस्कृत

स्तरहः तनेत प्रस्तद वर्षी जी की 4 फट बी प्रतिमा न्वालिया से वार्गी संस्थान विकास सभ्य सागर के अंतर्गत न्यायपूर्ति विकास जैन स्रोत चंद नैन आईएएस धोचल के स्वाचीन से बनवाई गई है। एवं साधी कपित मतिया ने परिवार रहीत प्रभावना रख पुण्यालेक के रूप में राथ को विकि विकास पूर्वक सुधारेन कराया। यह प्रतिमा आतत-आतत स्थानी पर ध्यण करते हर उनके जन्म स्थान लिलास जिला के महाबरा मताक के डाम इसेरा में 22 वन को स्थापित की जाएगी।

समाजसेची कपिल मतीबा ने बताया कि वर्णी जो असती समुद्रम के थे। जबकि अव्यादी ज्यादानर वेष्णय होते हैं, उनके पिता की गानेकार मंत्र में नहरें आरब्द खे। में एक केर परिवार के पहोंच में रहते से और मंहापत में अपने पर के पास जैन सींदर जाते थे। नहां के नवस्थानों से प्रथमित होकर दस वर्ष की



आबु में उन्होंने जीवन धर मुर्वास्त से पहले भोजन करने का संकारप निया। उन्हेंने बताया कि गरेश प्रसाद करों ने सत्य, ऑस्ट्रिस, संयम का जीवन व्यापी बत ग्रहण किया। उन्होंने अशिक्षा के अंधकार में तुबे समाज को डींगचरे की किरमें प्रदान की। जीवन में कटेर क्षम और गांपचें के बोच सफलता के बीज बोवे। पूरे जीवन धर उन्होंने परिस्थितियों को अपने उदेश्य के सामने नत-मातक कराया। क्रिगरेत परिस्थतियों में उन्होंने सत्य-अस्मि को अपन कर आगमी मार्च को ही प्रचारित और पुण्यत किया। सम्बन्ध, राजनीति एवं जरह पाउसाला, विद्यालय सुलक्ये लेकिन न तो अर्थ संबंध और न व्यवस्था को अपने राथ कभी रखा। बाताचंद सवाननवीम के प्रोलक्षण और कांच्या, मानैया और आन्य परिवारों और शिब्द ब्रुंटवताल आदि के समर्थन से उन्हेंने सर्ख -सुधार्टिंगरी जैन फठशाला की स्थापना में मदद की, जो अब रक्षण में प्रसिद्ध क्लेश दिलंबर जैन संस्कृत विकालन के नाम से पराधानी जाती है।

इस अवसर पर मनीप विद्यार्थी रथ संयोजक, प्रीत मतेया, अनुष्का मतेया, डॉ. इरिश चंद जैन शास्त्री, जीवन्यर शास्त्री जबलपुर, संजय शास्त्री पावला, सुनील शासकी दासकापुर, राजकुमार कर्द, सुरेश जानवे सामर, राजेंद्र शामवे दानपानपुर, संजय शासी क्लिक, उत्तमचंद, आशंप सामग्रे मोबर, विवास शामग्रे मागर आदि

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा 22 जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी

सानर। नजेश प्रसाद वर्जी जी की 4 फुट की प्रतिमा ग्वालियर से वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के अंतर्गत न्यायवृति विमला जैन होश चंद जैन आईएरस घोपाल के सहयोग से बनवाई गई है। रथ साथीं करित मलैवा ने परिवार राहित प्रचावना रथ पुण्यातीक के रूप में रथ को विधि क्रियान पूर्वक शुभारंभ कराया। यह प्रतिमा अलग-अलग स्थानों पर भ्रमण करते हुए उनके जन्म स्थान लितवर जिला के महावत ब्लाक के हाम हंमेरा में 22 जुन को स्थापित की जाएगी।

समाजसेवी करिल मलैया ने बताया कि वर्णी जी असाटी समुदाय के थे। जबकि असाटी ज्यादारर बैच्चव होते हैं, उनके पिता की जमोकार मंत्र में गहरी आस्था थी। बे एक जैन परिवार के पद्मेश में खते से और मंडाबत में अपने पर के पास जैन सींदर जाते थे। वहां के व्याख्यानों से प्रथानित होकर दश वर्ष को आयु में उन्होंने जीवन भर मुर्वास्त में पहले भोजन करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि गणेश प्रसाद वर्णी ने सत्य, अहिंग्स, संयम का जीवन जापी वृत प्रहण किया। उन्होंने अंतिक्षा के अंधकार में दुवे समाज को उजियारे की किरमें प्रधान की। जीवन में कटोर अम और संपर्धों के बीच सफलता के बीज बोने। पूरे जीवन पर उनोंने परिस्थतियों को अपने उद्देश्य के सामने



वह-मातक कराया। विवरीत परिध्वतियों में उन्होंने सत्य-अहंसा को अपना कर आगमी मार्ग को ही प्रचारित और पुष्पित किया। समाज, राजनीति एवं समय के साथ समझौता नहीं किया। जगत-जगत चठशालाएं, विद्यालय खुलवाये, लेकिन न तो अर्थ संबह और न व्यवस्था को अपने हाथ कभी रखा। वालचंद सवालनवेस के प्रोत्साहन और कंड्या. मलेया और अन्य परिवारी और शियर्ड ब्रांटनलाल आदि के समर्थन से उन्होंने सतर्थ -मुधातारिंगनी जैन पाठमाला की रुवाएना में गठद की, जो अब सागर में प्रसिद्ध

गणेश दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय के नाम से पहचार

इस अलगर पर मनीप विद्यार्थी रूप संघोतक, प्रीति मतेवा, अनुष्का मतेवा, डॉ. हरिश चंद जैन शास्त्री, जीवन्धर शास्त्री जवलपुर, मंजप शास्त्री पावला, सुनील शास्त्री दलपतपुर, राजकुमार कर्द, मुरेश शास्त्री सागर, गर्नेंद्र शास्त्री वलपतपर, संजय शास्त्री विगोदा, उत्तमचंद्र, आशीष शास्त्री सीकर, विमल शास्त्री सागर आदि उपस्थित

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन : कपिल मलैया

मारका संवाददास । सन्य

विचार समिति ने जिसकार्गत स्थित विचार फीसर में "अभिभावक एवं बच्चे बनाएं मोबाइल से दूरी" विषय पर कार्यताला का आयोजन किया। कार्यशाला में अध्यक्ष कविल मलैय ने कहा कि मोबाइल का उपयोग उत्तव से करो जिल्ला जरूरी है, मुबर और सोते समय तो मोबाइल का इत्तेमल बिल्कुल भी नहीं करन चरिए। स्वीत पर देखने-देखने रजवैक की चातुरं तो एक्ट रिखाई देती हैं लेकिन दूर की दृष्टि धुवार्ष होने लगती है और पड़ी चवह है कि चल्या लगने की नीवत आ जाते है। उन्होंने बज़ा कि अधिनावकों की ये शिकायत होती है कि उनका बच्चा दिनशर मोबाइल से विशवत परता है। जलाँक, इसकी पाजर सुद अभिभागक भी हैं, क्वेंकि जब बच्चा छोटा होता है तो उसे मोब्बइल रिखाकर खान खिलाने हैं एवं बच्चें को समय देने के चजाए मोबाइल पर



करते हैं। पर में बहे को देखकर बच्चों को भी मोबाइल की लत लग जाती है। अधिधालक और बच्चों में स्मार्टफोन दुरी भी बढ़ा रहा है। कुछ तरीके हैं जिनकी मदद से बच्चे एवं स्वर्ध को फोन की तता से दर रख सकते हैं।

• समय सीमा तय करें -सबसे फाने मोबाइल के इस्तेमाल को कम करना शुरू करें। इससे न आप अपने दूसरे कामों में भी मन लग पारी।

•लक्ष्य तथ करें - मंबदल को उपयोग करते समय पर तथ करना चारिए कि आप किस उद्देश्य से मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं। मनोरंजन, ज्ञान, व्यवसाय आदि किस क्षेत्र का उपयोग करना चाहते हैं. वह चुने। मोबाइत का उपयोग काने की जन्छ अन्य कार्यों को प्रधरिकता

ही अधिकांत समय खुद ही जातीत. सिन्हें मोबाइल से बेक फिलेग क्रीन्क दे. जैसे किताब पहना, श्रिकिकल एक्टिक्टी, प्रकृति के साथ समय बितान, ध्यान और अपने के साथ समय विकास वेटिकिकेशन की फैफिलिटी को हटा हैं और शोशल मीडिया से दूरी बनाई।

• जमान पड़ने पर डी मोबद्दल का इस्तेमाल करें - हम तोग जब भी प्रये होते हैं तो मोबाइत से रीला देखने लगते हैं।

•सोते समय फोन दूर रखने

रात तक फोर चलाते हैं, तो अपने इस आदत को तुरंत बदल दें। इससे आफ्री आंखों के साथ ही मानीसक म्बास्य पर भी आमा पह मकता है। इससे नींद प्रधावत होती है और त्रसाव परमाम हो सकता है। ऐसे में सीने समय फीन को दूर रखने की केरिश को कार्यकरों अध्यक्ष मुनीज अरिशंत ने सभी अधिनक्रक और बच्चें का आधार माना।

मार्गदर्शक भेषांत केंद्र, सरित पुर, प्रथ साह, अनीत चीची, पुरम मेखती, कुमूम केशरवानी, ऊपा केशरवानी ने भी अपने विचार

कार्यक्रम में प्रीत मलेख, प्रतांत केर, पूरा पटेल, अंजले पटेल, संपेत प्रशापित पदा कुलचल, देपित कशवता, स्वती सार्, सुवस सह अधिका सह मंद्र तमं, प्रेंग्य लम्ब, मर्थंड दुवे, सामर्थ रातांब, आवितन, अंत पचीरी आदि उपस्थित थे।

abuse, structure, or 164, 2024

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स





अभिभावक और बच्चों में दृरी बद्धा रहा रमार्टफोनः कपिल मलैया

Statement, distributed on the party of the

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दुरी बनाने के लिए विचार ममिति ने किया कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

जरूरत पड़ने पर ही मोबादत का दारोमात करें

अभिभावक और बच्चों में दूरी बदा रहा है स्मार्टफोन

अभिभावक और बच्चों में दूरी बद्धा रहा है स्मार्टफोनः कपिल मलैया

राज एक्सप्रेस

अभिभावक, बच्चों में दूरी बद्धा रह्य स्मार्टफोन: मलैया



कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में लगाए थे पौधे, देखरेख ऐसी हुई कि 40 से 45 फीट के पेड़ हो गए

विचार समिति ने 50 हजार नीम के पौधे लगाने का लिया संकल्प



भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना की पहली लहर के दौरान जब कोई घर से बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था उस दौरान जरूरतमंद लोगों को सेवाएं देने वाले 31 कोरोना वारियसं के सम्मान में विचार समिति प्रांगण में कोनोकार्पस के 14 पीधे रोपे गए थे। रोपते समय इन छायादार पौधों की ऊंचाई करीब 4 से 5 फीट थी। चार साल तक इन पौधों की समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा इतनी अच्छी देखभाल की गई कि यह 40 से 45 फीट ऊंचे हो गए हैं। समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि सम्मान के अलावा इन पौधों से लगी दीवार पर उन वारियर्स के नाम की पड़ी लगी है, जिन्होंने कोरोना काल में समिति के जरिए हजारों लोगों की मदद की थी। पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान इसलिए

दिया गया, क्योंकि यह संकट के दौरान बिना डरे मदद करने वाले योद्धाओं के सम्मान के रूप में लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा 50 हजार पीधे लगाने का संकल्प लिया गया है। यह पीधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं।

विचार समिति ने मेडिकल कालेज में कोरोना वार्ड के बाहर 6 माह तक हेल्प डेस्क का संचालन किया था जिसमें 1490 मरीजों की सहायता की थी, इसके अलावा राशन किट, भोजन, अनाज, सेनेटाइजर, जल की व्यवस्था की थी, जिसे इन कार्यकर्ताओं ने न केवल बस्तियों में घर-घर जाकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया बल्कि व्यवस्था संभाल रहे सुरक्षा, पुलिसकर्मियों को भी समय-समय पर सेनेटाइजर एवं अन्य सुरक्षा सामग्री की आपूर्ति कर उनका हैसला बढाया था।

इन वारियर्स के सम्मान में लगाए गए थे पौधे

राजेश सिंघई, सुनीता अस्त्रित, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैवा, सुरज सोनी, सौरभ रांधेलिया. रामकृष्ण मिश्रा. कार्तिक भाई पटेल, धवल कशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम, देवेन्द्र वर्मा, सुनील जादगर, राहल अहिरवार, शिखा चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, विनोद विश्वकर्मा, सुनील साह, साहब सिंह, नीलेश पटेल, अरविंद अहिस्वार, राम कुमार बाल्मिकी, बदी सेन, इंदरसिंह, जवाहर लाल अहिरवार, प्रदीप आठिया. रामकुमार रैकवार, शस्द मोहन दबे, संजेश सिंह और आशीष सिंह।

नीम लगाओ-पर्याचरण बचाओ अभियान • विचार समिति ने किया आह्वान, पर्याचरण बचाने बच्चे भी आगे आएं: मलैया

नीम के 12 हजार पौधे रोपने की जिम्मेदारी संगठनों ने ली, सिमति का 50 हजार पौधे रोपने का संकल्प

भारकर संवाददाल । सामा

विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैउक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पीधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं। बैठक में चिभिन्न संस्थाओं ने 12 हजर पीधे लगने का संकल्प व्यक्त किया। जिसमें सदर उत्सव समिति 5100 पीधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगर योद्ध कल्याण समिति २५०० पीधे, १०वीं बटालियन 2500 पीधे, गेटरी क्लब सेंट्रल 630 पीधे, राजेश मलीया 500 पीधे, सेंट्रल बैंक शास्त्रा भगवानगंज 250 पीधे.



एकता समिति 100 पीधे, आलोक जैन 100 पीधे, ऋषध सिंग्ड्रं, सुरील जैन 100 पीधे, सभीर जैन 100 पीधे, पुनम मेखाती ने 10 पीधे लगाने का संकल्प जहिर किया।

विचार समिति अध्यक्ष कपित मलेया ने कहा कि नीम का पीधा प्रकृति का सबसे अनुषम उपहार है। यह हजारों नीम के पीधे जब बड़े हो जारी तो शहर की पर्यावरण जलवाय को सधारने में सहायता करेंगे। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बडी मुश्किल से हैं। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पीधे पर एक व्यक्ति के नाम की तराती दी जाएगी। उन्होंने आव्हान किया है कि पर्यावरण बन्धने बन्धे भी आणे आएं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि पीधे लगने के बाद 15 नवंबर 2024 को पीधों का समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा। राजेश मलेवा.

अखिलेश समैया ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड बहत गुणकारी है। मार्गदर्शक राजेश सिवई श्रेयांश केन, मुख्य संगठक निविन पटैरिया ने संस्थाओं से आव्हान किया कि इस पीधरोपण योजना से जड़कर पुण्य कार्य करें। समिति सदस्य राहुल अहरवार, पूजा प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बैठक में शफीक खान, रवि डमहिया, सुरज सोनी, सुभाष कंड्या, धवल कुरावाहा, विजय जैन, कौशल पहलवान, केशरवानी, अभय केशरवानी, संजय केशरवानी, टिकु केशरवानी, चंदन साह, सोन् जैन, कुसुम केशखानी, नीता केज्ञरवानी आदि उपस्थित थे।

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे आपि विकास अनुपम उपहार है: कपिल मलैया



बच्चों व अभिभावकों में दूरी बढ़ा रहा मोबाइल

सामा १० जून, विकास समिति ने जिलकारियोजन विकास समित में अधिभाषक एवं बाले बावरें भोकपुत में दूरी विकास पर कार्यशाला आयोजित हुई. अलाह करित मतिया ने बताया

कि चेपाल का उपयोग उत्तर ही को जिल्ला जरूरी है, शुब्द और रति समय से मीमहात का इलेबात बिल्बुत हो नहीं बरन adversal at 4 fewers shift frie year weet दिनका श्रीकारण से विकास गरान है. हालाँच, इसकी पत्रह सूद oferen diff.



नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

सागर। विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओं अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पीधे मंगलगिरी में तैयार बिरा गा है। बैज़ा में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पीधे लगाने का संकरण लिया है जिसमें सदर उत्सव समिति 5100 पीधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार वोद्धा कल्याण समिति 2500 पीधे, 10वीं बटालियन 2500 पीधे, रोटरी क्लब सेंटल 630 पीधे, राजेश मलेया 500 पीधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पीधे, एकता समिति 100 पीपे, आलोक जैन 100 पीपे. प्रत्यंथ सिंग्हं, सुतील जैन 100



पीधे, सुधीर जैन 100 पीधे, पुनम मेवाती ने 10 पीधे लगाने का निर्णय लिया है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि नीम का पीधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पीधे जब बडे हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्यावरण जलवाय को सधारने में सहायता करेंगे। पीधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है क्योंकि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहत ज्वादा दफ्ति हो गया है। नीम का पेड बहुत मजबत होता है लेकिन लगता बढी मस्किल से है।

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार : कपिल मलैया

नीम लगाओ, पर्वावरण बवाओ अभिवान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ



statistics, serv.

a) do reció, refere was à d'our à sinte d'eux si Rose we carbon form one o वर्षिक ने ५० हजार कैये राज्या कर स्थान जिल्हा है। यह कैये संस्थानियों में free face we fin from it halves शांकाओं में 12 ताका कीई उनकी का शांकान तिल्ला है जिल्ली करा प्रमान सर्वित ३१३० केंद्रे, वर्त तक बोच्छा और असर्वित महत्त्वा चेत्र बाल्या सीवी २५०० की. ५०वी बर्जानक २५०० की, रेजी बान्स रीपुत ४३० फी, शांस बार्डिय ३०० फी, रोपुत बेंस सारा empete 212 th, type state 120 th, seeks the co this, some field, water तीर 100 की, प्राचीर की 100 की, पुरस रेकार्ड में 10 की राजा

no finds time it: splate arrang

the past or seek over क्य को से जाने से काल कर की पर्यक्रण जानका को स्थान में सारका करिंग, की तका के सार year stops of world wide sharing up of \$1 set med \$1 in पर्याचन बहुत ज्याद दुवित हो एव है। वैत कर पर बहुत संस्कृत होता है र्तिकर तरात कड़े चुरिकत से है। एक बार तीर नात और का हो राव ते तित पात भी है। उन्हेंने बाहर प्रतेष 10 कि पर हम महित से on all real directs per dis san't belt spec it field from all sår baha i ne ba å å de ज्ञान किया है कि गार्थकार करते well of self-self-

सागर 🥻

2014, about 17 3pt 2024 03

नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का अभियान

पीचा जगाओं, पर्याचन बनाओं ऑपनार के अंगरि वैद्या का अगोजन बिच्य राजा समिति ने 50 हवार पीने re un roye firm \$1 or did effet il from face on \$1 diese र्त प्रिकृतिक कोल्याओं में 13 हमार कीये राजारे का संकटन रिट्य हैं।

सारा प्राचन स्त्रीतीत (100 पी.चे. एक्ट प्रीचान और अस्त्रीतन क्टबर केन्द्र सान्यम समिति ३५४८ वि. १०वीं बर्जानक २१०३ मेचे first was tips out this roles robe out trace while you did, serving the you did

100 की, फूल बेक्सों में 10 की राज्ये का

 51 तम्बर की समझे का स्थत अभिकार में करों अने अब्र ofte I were the se

क्ष्मारे में स्वरूपत करेंगे। योचे ताली के साल प्राच्छा क्ष्मीय जानतीया को बावे फैर्स प्रमुक्ति का सबसे अनुस्ता नकता है। जब अर्थका भी जरूरों है, क्योंकि आकरीका की कर्त इसकों तीन के फैर्स को काली से सहर की . हो रहे, कोम्सीका बहु रही हैं, कई सहसे में से

क्षेत्र जानते के बाद पाने दिया और ऐक्षीक है यह पीना दो से तीन पुर का निया हो गया। उनति sensor form univers send sent of said

रार्थक को चीनों का क्रीनीत पूरा करें

रेट् संबद्धा होता है

do un ule un

where to this to

east it works to

हुए कहा चीम का पेड़ बहुत गुणकारों है। इसकी चीनमें, पक और प्राप्त में तरह तरह भी दसहार्थ करती हैं। चीम भी दानुत डांसें भी स्थाप एक्से है। एक्स जिन्हों, क्रेसर केंद्र, जिहर प्रीतिस सह all strend it arrest face It pay affects to बुद्धका सर्विति द्वार तिरुक्त एक ५० तस्त्र पीर्थ तारको का संकार पूरा करते में अञ्चलित करें। जी में बर्जिन सरमा रहत अहिल्बर, पूस प्रसार्थन

APPENDED tion if the coding, spin shift, to प्यान, त्याना कर, बीचार पाताकर, पूथ बीटरावारी, अध्य बीटरावारी, पीजा बीटरावारी, रिक् बालाकरी, पीठा बाहु कीए कर, वृक्ष्य बीटरावारी, तीम बीटरावारी, पाताबी कर, उस पीठा, उससीब पातीक, कीए पातीक, अर्थिक अरिताक, लोगी बिकार पातीकर औ

18 पेंशनर्स को ग्रीन सागर से जोड़ा, 5 दिन में बांटे 50 पौधे, संकल्प दिलाया

firer etits str tips for is र्शका शक्तकात में पेड़ ताराजे per word affect it not à favor gote s qu'edere ton è favores déleges so scar 40 cm2 at two tor no In see this street of their face य है। सांबंद अध्यक्ष बर्ताल परीय I were fix us this our reflex for with और उन्हों देखांच a) fasked all mesh it ou बार अधित उत्तव निर्माण करेले uft 440 st street it top 8 dt एक प्रतेश की पीट कुछका स्वरूप ये जाली, डिक्स पूर्व विश् का ow floor about it was my or वर पर में जीवीर हुए की किय serve: food for all fools all जांच होती। इसी शहरता पर जिसके अर्थ अर्थ की की उनमें 2 Station 2005 of remote weather in mer water is any if face, finise कुरमार देवी, कृषेत कुरमार आहा



सारी खुलवाने वालों को दिए पीधे व गमले

रोज किया होंगूल केंद्र के अर्थकर सरीव तिरंशों ने बाहब कि पूर प्रेरिक्ट में उन्होंने केंद्र से पैका लेंगे करे नवीकरों को लेड्रो का प्रकार बिन्य है। 30 फिल्मी इस बार्स से अब्दे 5 दिश में ही पुद्र गए हैं। इसके अन्यास केंद्र में जिस्से की प्रकार के नगा पहला स्कूलकार वाले अर्थकारों को की एक फीव लिएका देखर इस डीन सामा में जीए। या रहा है। अन्यों तक 10 विचन रहते एवं s प्रवंता रहते रहुनको वर्ता को क्रेप और गर्वा है पूर्व हैं। कृत बिलका 5 दिन में हैं 50 कैवें का बिलग किया जा पुका है।

पानी, पड़ारे पुरस्ता रिमर्टी (25. फ्रेंच असी) बहुदारि पुरस्ता है। संख्या), पंचा पुरस्का निकार बढार व्या तुमा उद्देश्य क्रेकेट से लेगी के (५० संख्या) इस स्वास्त्र पुरस्का वर में प्राप्तिका के जीते के उत्पक्ष के रूप में तर्गर बॉस्स (५० संख्या) वरता है।

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

want affects is acterife floor on addit it that some पर्यातम् सकते कार्त क्षे

sel sel

singleses nd uffere k siefe fan dan gan whit 't so e



प्रशास परिवार को प्रस्ते हैं स्वीति । स्वास्त्रीयम् स्वी स्वर्ध को रही है, स्वास्त्रीयम् स्वा स्वत्र होता है, सई स्वत्री में से पर्यापन स्वाप्त स्वाप्त होता है पता है। सेता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त होता है। सेता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त होता है। स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त होता है। स्वाप्त स

From 8 the verticent would won't do not be supply softent to exempt the date much to ware as women page, wit their was related great with after company families date much are all provide which gar an families and as yourse of these course vertice with contrast and any to the supply softent and any to the supply softent and a contrasting when it do in most well. तार को प्रकृति करते हैं। तेन को सुकृ देती को प्रकृत पहले हैं। कुछ प्रकृत



नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत बैठक का हुआ आयोजन

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

सागर, देशबन्ध् । विचार समिति कार्यातव में रविवार की नीम लगाओ, पर्याचरण कथाओं अधियान के अंतर्गत बैतक का आवीजन हुआ। समिति ने 🌌 SO हजार पीधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पीचे मंगलियों में तैयार क्रिके नये हैं। बैतक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजर पीचे लगने का संकल्प लिया है जिसमें सदर उसव समिति 5100 पीथे, धर्म रखा संगठन और अपराजित नदरनार योद्धा कल्याण

समिति 2500 पीथे, १०वीं बराशियन 2500 पीथे, रोठरी क्लब सेंटल 630 पीचे, रावेश मतीया 500 पीचे, सेंटल बैंक शाखा भगवानगंत्र 250 पीथे, एकता सनिति 100 पीथे, सालोक जैन 100 चीचे, ऋषम शिष्ट्र, सुत्रील जैन 100 चीचे, सुचीर जैन 100 चीचे, चूनन मेवाती ने 10 चीचे लगाने का निर्णय निया है। समिति अध्यक्ष कवित शरीया ने कराया कि नीम का पीधा प्रकृति का सबसे अनुपन उपरार है। यह हजारों नीय के पीधे जब बढ़े हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्याचार जलवायु को सुधाले में सहायता करेंने। चौथे



लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरों है क्योंकि आक्सी वन की कभी हो रही है, बीमारियां बद रही हैं, कई शहरों में तो पर्याचरण बहुत ज्यादा दुवित हो तथा है। नीम का चेद बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन बार फीट का हो गया तो फिर माता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पीधे पर एक व्यक्ति के नाम की तथती दी जाएगी। इस पीधे को तथार करने के लिए मंत्रलिमी में पहले देती खाद से निट्ठी तैयार की फिर बीज जातने के बाद पानी दिया और देखरेख में यह पीचा

दों से तीन फुट का तैयार हो गया। उन्होंने आव्हान किया है कि पर्वाचरण बचाने बच्चे भी आगे आर्थे । सुनीता अरिहंत ने बताया कि पीधे लगाने के बाद 15 नवंबर की पीधों का समिति द्वारा सर्वे किया जारण। जिसके पीचे सबसे अपने होंने उनको समिति द्वारा ३१ दिसंबर 2025 को उपसर भी दिया जाएगा। एवेश गरीया, अधिक्रोत समैद्य ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि

नीम का पेड बहुत गुणकारी है। इसकी परिवर्ध, फल और क्षल से तरह-तरह की दवाइयां बनती है। नीम की दातून दांतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए। मार्गदर्शक राजेत शिंचई, क्रेवांत जैन, मुख्य संगठक निर्देश पटीरेचा शहर की समस्त संस्थाओं से आखान किया है कि इस पेड़ योजन से जुड़कर समिति द्वारा लिया गया 50 हजार पीचे लगाने का संकल्प पूरा करने में अपना सहयोग करें। समिति सदस्य राष्ट्रत अहिएकर, पूजा प्रजापति ने सभी का आचार ज्वल किया।

शिविर • विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में योगा के साथ समर कैंप का समापन

अच्छी शिक्षा मिले इसलिए गांव में खोला इंग्लिश मीडियम स्कूलः मलैया

मारकर संगादकता । साम

विच्या समिति द्वारा राज बनेतिस्य में संचालित निराई प्ले स्कूल में आउ दिवसीय समर कैंग का मेशनकर को रमापा हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजर, स्वापत पीत, कार्बो को मनमेलक प्रातृति एवं योग के साथ हुई। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। समर कैंग में बच्चों को योगा, मेडिटेशन, पैपरोगर, विकास नुत्व, यावन, पेस कडीरटेन, फैस्ट्रे करण भरे प्रतिवेशित, जिस्पोजन फेस, फरी फेस, खो-खो. क्षेत्रम, कमहारी, कुली टीह प्रतियोगित आदि सिम्बाई गई।

समिति अध्यक्ष कवित मतीया ने



मधी शिक्षकों का गोमात शीरत, मान्य श्री पंत्र से सम्मान किया एवं बच्चों की पुरस्कृत किया। इस मीके पर उन्होंने बज़ कि मैं शहर में भी रुहत खोल प्रवास का लेकिन इंग्लिस मीडियम स्कूल की ज्यादा जरूरत गांव में है

नहिंद कर्यों को अच्छी विश्व और संस्थार मिल संबे। उन्होंने बच्चों को चेग करते हुए येन के फास्टे बता। उनोंने बच्ची से कहा कि इस कैंप के माध्यम से आपने आउ दिन में जो सीखा उसे आने भी बेहतरीन प्रदर्शन

बच्चों को अच्छी जिल्ला और संस्कार मिल सकें, इसलिए गांव में खोली इंग्लिश मीडियम स्कूल : कविल मलेवा

करते रहन। कार्यकारी अध्यक्ष समीत अखित ने बताया कि 4 में 15 माल के बाजों ने इस अवशेजन में दिवसा लिया उन्होंने बाहा कि ऐसे आयोजन से कवों के भीतर हुये हुई प्रतिभा को निखार कर सामने लाने में बदद बिलती

सबर केंग में बच्चों को उनकी सब्द के अनुसर सेल और अन्य गरिविधनो का प्रशिक्षण दिया गया। कैंग में बच्चों को करण गया कि कैसे वह पहाई के साथ-साथ अपनी पतंद के रेम में अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। तिश्रव रागिनी एए, खूराबू चहार, पत प्रतपति हार बच्ची को प्रतिभूग दिया गया था। कार्यक्रम का आधार मेहन पता ने ज्यक्त किया। इस अवसर पर कंदन लाल रिकारिक, गजराज सिंह राजपुर, सत्यवीर चहार, मोन्द्र तकर, गर्जेन्द्र राजा, करतार राष, राष्ट्राम चढार, फैलात बुमी, धरीन्द्र एवं, महेन्द्र विरुक्तामां, बुर्ताक्षांत्र पहार, विकास सेन आदि उपस्थित थे।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल में समर कैंप का 10 जून से होगा आयोजन

34f64th-9302303232

मानः। विश्वार मर्मितं द्वारा मंश्वातित निर्द्धा यो म्बात द्वाम मर्नेदेश्य में सामाजिक समय किय का निप्तालक आयोजन 10 जुन से प्रारंभ होने जा रहा है। स्विति अध्यक्ष प्रवित मारेया ने बताया कि समर देश सम्बर ८ से 11 बारे तक रहेगा इस केंग में बच्चों को तरह-तरह ही नर्नियिच्यों से जोड़ा जापेश जैसे- चेल, मेडिटेशन, एकालाहान, बच्चों की स्थि के अनुवार चित्रकार, पुरूष प्रतियोणित अवयोजन, रायन प्रतियोचित, मामान्य अंग्रेजी, विंदी, ज्याकरण ग्रंबंधी अध्ययन, ग्रन्थर शिवास्त्र बीतात, फेर बारिटन, मलेटर विविधियों से जोड़ा जायेगा। बार्यवारी अल्यक्ष सुनील अधित ने बताय कि 4 से 15 सात के बल्चे इस अवीजन में हिम्मा से सफेरे। प्राचार्ग साबी दोगी ने बताया कि लिएक रांगिनी तथ, खुलब् चड्डार, समिति सहखेती पृज प्रजापति द्वारा बच्चों को

सागर, सोमबार, 17 जून 2024



नीम का पीधा प्रकृति का सबसे अनुप्रम उपहार है : मतेवा कार : किया सीवीर कार्योत्प के तीकार को तीन सीवर्त , वर्जकर कराई अभिका के अंगरि बैटक का आर्थातम हुआ : सीवीर ने 50 हजार की सकत का सब्द जिल्हा है : कर do product at two fact on its bow it lifecu storage it or easy day sent as सकार जिस है जिसमें कर उसके सीची उच्च की, भी जह संघटन और असरीत सरावर जेड़ा सरावर सीची 2000 की, भी बड़ीकर 2000 की, ऐट्टी बाब सेट्ट ५६० की, शांका समेव ५०० की, बंदुभ के पाव भावनमात्र ३५० की, एकत सीवी १०० की, अतंत्रक जैन १०० की, फाम्प बिन्हों, सुनीत जैन १४४ की, सुनीत जैन १४४ की, per had it to this work as finds fing it.

WILDS ---



fixed of right ten mention over this way

विचार समिति द्वारा संचालित निर्ताई प्ले स्कूल ग्राम मनेरिया में नि:शुल्क साप्तहिक समर कैंप का 10 जून से होगा आयोजन

तका कुन्देलखण्ड

स्वचर। विचार समिति द्वारा संचालित निवाई भी स्कूल हाम संनेतिका में साप्तरिक समर केंप का निजानक आयोजन 10 जून से प्रारंप होने जा रहा है। समिति अञ्चल कविता मतीया ने बताया कि समर कैंप मुक्त a से 11 कते तक रतेना। इस कैंप में बच्चों को तरत-तरत ही नॉडीवियमों से जोड़ा जानेना जैसे-चेत्र, चेंडिरेशन, एक्सलाइज, बच्चें की स्थि के अनुसार चित्रकता, नृत्य प्रतिवेशित आयोजन, रायन प्रतियेशित, सम्यान अंत्रिती, शिथे, म्यासन्त बंबंधी अध्ययन, सुन्दर तिखाबट बीशत, पेपर बर्जस्टर, मजेदर परिविधिशी से ओड़ा जायेगा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीत ऑफ्रित ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चे इस आयोजन में हिस्सा से संबंधि। प्राचार्ग साबी दांची ने बताया कि क्रिक्रक राणिनी राज, स्कूशबू चढ़ान, समिति सहयोगी पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को गतिबिध करवाई जारती।

and all vilidified ने जोजने नामाहिक स्वयं केय आज से

बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें इसलिये गांव में खोली डॉग्लश मीडियम स्कूलः कपिल मलैया

बर्खा की मलमोहक प्रस्तुति व दोगा के साथ हुआ समर कैंप का समापल





सागर 09-06-2024

ग्राम मनेसिया में निशुल्क साप्ताहिक समर कैंप का आयोजन 10 जुन से

www | News solids you studies from भे बहुत प्राप्त पर्विताह में सामग्रीक साम केंच का विकृत्य आयोजन १० जुर से प्रारंथ क्षेत्र) प्रतिको अल्बल करिया प्रतिक ने बतार कि सक देश सुबा ३ में 11 करे कर प्रतेशक प्रत बेंग में बच्चों को उत्तर-उत्तर से परिस्थितिकों से जीवा उपरेच जैसे- चेन के अनुसार विकास गुरू प्रतिसंधित

अगोजा, पान प्रतिपेतित, सम्बन्ध औरते Std. vosare state proven, freque बीका, पेरा बारिटा, मांका परिवर्धन में जेड़ जरूर। सर्वसरे अन्त्र सुरीत अधियोग ने बाजन्य कि 4 में 15 सकत के बाजो इस अवदेशन में दिल्ला से सबेटे। प्राचर्त वाकी शंधी ने बाताय कि विकास स्वीपनी शाह द्वार कर्जा को चौडीकीर करकई जाएंके

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का विचार समिति ने किया स्वागत

भारतर संवाददाता | सामर

देवास से अवोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का दल सोमधार को सागर पहुंचा। विचार समिति द्वारा सुबह 8 बजे मोतीनगर चीराहा पहुंचकर पदवात्रा का स्वागत किया गया। सभी पदपात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का धमण किया। पदवात्रा में जामिल दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश वैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने का संकल्प लिया है। समिति द्वारा स्वागत



पदवात्रा का स्वागत करते हुए कपिल मलैया।

करने पर बैरागी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट किया। पदवाजा में रावबरेली से आए

समाजसेवी आशीष शुक्त का कहना है हम सभी समाज में स्वयस्थल उत्पन्न करें। पदवाना में रामसिंह,

प्रदीप वैरागी, माखन लाल धाकड आदि शामिल हैं।

समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गय के गोबर से बनी पड़ी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयत्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का आग्रह किया। पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अस्हित, सुनील सागर, रविन्द्र टाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राव, गंगाराम, माधव यादव आदि ने

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़त पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत

OR HE STORY WHITE THE परमास अस्त सामा परियोग विका सर्वित द्वारा सुबद ८ करे whole पहुंचका परमास का रकात किया। सभी ventirel 4 firex selets antier at you fact. प्रत्यास में दिल्ल चीन सीवस के tivers step ple for I were fix alleles cover so farbiter at forms with an othern from the उसी बाल कि अब हमी देश का पूक्त नहें से प्रतिक होता ar un b abr gund ub पेतन जा हो रही है। समाज में



कारों रहते हैं करते को संस्त है upon ration after ratio wit स्थान रक्षण पहिला समित हुए स्थाप करने पर फैठने जो ger wenn is aft the repl to the year family

रावकीरों से सन्तरकीरों

क्यो सक्त में समावत प्रका भी, देशे अरोध बीची भी when one work I dit at समाप्त को एक्टीका कर अरुक में एकत और प्रस्तात प्रमान को। परमान में समीतंद, प्रतीप वेशने, राजा तात पास्त्

अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत



नारः देशक में उन्हेंन्य पान उस उनुस्त प्राचीय पहल प्रयास आत्र पान कर पुर्वेत निर्मा प्राचीय प्राच्या कर्त प्रतिस्ता नीत्व प्राच्या पुरुष्ट का अक्टालिका कर्त प्राचीत्वी है क्रिका able union to precluse, your 6 beau की शंक्य में मोनापार केंग्ड्रा गर्नेत मेरते हैं। बक्ता कि प्रतिम क्लब्द 42 सिलंबीत की देशनाव करों का संस्ता किया है। सार्गि साम दिन बार अपने के प्राप्त कर किया है। उसने संस्था है और पूराओं की बेरण पह से की है कबार में क तथा बेरण कर से लिए पहले की है कबार में क तथा बेरण कर से लिए पहले को है करों को बेर

Andreas in spirit in the sace from travitable when you man't find at come of reading or में स्वीती हम करते का है किया अपनी मोजित का में मुक्ति का निर्देश कि हो की है कि है जीने कि पतान अभी कार्योंकों को स्वीत है जीने विकेश कर समझ है गई।





देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़त पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत

दर्शन बुन्देलखण्ड

सागर। देवास से अवोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पहत पदवाता आज सागर पहुँची। विचार सनिति द्वारा सबह 8 बजे मोतीनगर चौराहा पहुंचकर पदवात्रा का स्वागत किया। सभी पदवात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदवात्रा में दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरू राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदलवाज करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बतवा कि आज हमारे देश का वुवा नहीं से ग्रस्तित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जनह योगान्यास के शिकिर चलते रहते हैं सभी को दोग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ



रखना चाहिए। समिति द्वरा स्वानत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट

रावबरेली से समाजसेवी

आशीप शुक्त का कहना है हम सभी समाज में समासता उत्पन्न करें. जैसे अनेक बीजों को बोकर अन उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पद्यात्रा में रामसिंह, प्रदीप वैरागी, मखान लाल धाकड आदि शामिल हैं।

समिति अध्वक्ष एवं सनाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घडी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयानियों का स्वापत किया। उन्होंने सभी पदवात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुँचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान सभी पदयानियों को शक्ति दें ताकि निर्विधन यात्रा सन्दन्न हो सके।

पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष छुनीता अरिहंत, सुनील स्नगर, रविन्द्र ठाकुर, माधव बादव, पूजा प्रजापति, भाग्वओ राव, गंगाराम, माधव वादव आदि ने स्वागत किया।

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : मलैया

भारकर संवाददाता आगर

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमित र्के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यवी, हर युवा उद्यमी' विषय पर बुधवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हीसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा



कार्यशाला में कपिल मलैया युवाओं को संबोधित करते हुए।

से ही कमाई करना सीखना चाहिए। उद्यमित की चर्चा शरू करें। उन्होंने इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गण विकसित हो सके। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर

कहा कि युवाओं की नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यपिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

बैउक में मुख्य अतिथि युवा व्यवस्ताची जयकुमार जैन ने कहा कि

हमारे पन में बहुत काम करने की इच्छा होती है परन्तु डर के कारण न तो हम कुछ कर पति है न ही कोई निगंध ले पाते हैं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यवसायी मनोज राय ने युवाओं की स्वरोजगर से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया गया। 100 से अधिक युवाओं ने स्वरोजगर कार्यराला से जुडकर लाभ उठाया। बैठक का आभार जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रिवेद ठाकुर ने माना। इस अवसर पर प्रांत पर्णकालिक संजय गवत, प्रो आरमी प्रजापति, नवीन सोनी, राजेश गीतम, अधिराज वर्गा, आदित्य विक्रम, योगेश सेन, राजीव तोमर, शुध शर्मा, रचना पटेल, एकता कोर, हिमांशी पटेल, सुप्टि दुवे आदि उपस्थित रहे।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

prophore: क्षानः प्रकारति का औरका है। जा पूर्वनों के नामानिक उन्होंना is six if we seem you such is unique al station and po six or severa wherefor it प्राप्त की अवस्थानक उर्देश हैं पर क्षण में उर्देश की अगर क्षणक है। वीत व व्यक्तिकार की कुम्पता के तीर आर्थिकाका । यह ऐसे पूर्व की तीर आर्थिकाका । यह ऐसे पूर्व की विकासित करने के तिहा जूनती तिवार के ती कर्मा करना कीवन चरित्र हातीता हरूरा करने कि ता करना मुक्ते नहीं of war ship offer said series.



Arm it you wide yo mp were rafter all and spr कर्ता तर अपन्य वे अवका को प्रत्यात कर्ता प्रत्यात, परण विश्व को व्यक्तिक अवकार परण केता है। पर अपन्य के अपना ने विश्व पर अपन्य है। उपनि सात कि पुरा को की विकर्त नानों परण पर्या उपनित्य प्राप्त करते किसी है।

क्यार आपनी कार के रिवार है। मेरामा की अन्यकृत कर रहे समझे क्षेत्रर पर हे गुलाई की स्वताता पर्या प्राचीचना हैते हुए सहात्रेत प्रकाशन से हुई राजी हुए स अपने से प्रकाशनों पूछा हैता और सहे से निर्देश की प्रकाश हिल्ली हैं। सर्वोत्तर की स्वताता हिल्ली हैं। रमोजना है जुड़ी समाजे का समयर दिया गया। ५५० से जीवक पुराजे ने समोजना कार्यसाम से सुदार तथा उत्तय तीवक का जनस mps it was an arest or physiaftern set, safery fager, 40th

ववाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभिवान : कपिल मलैया

प्रकार क्षेत्र प्रकार व पात पुरार्थ को पात्रपालिक प्रार्थिक के की में जा अपका 100 माने के प्रोर्थ में 'ता पा पाने, ता पुरा पाने' जिल्हा पा मंगाबत को मेडीक्ट पात्र में कार्याल का petter par writer at oldfor जारेणा की पुरुषात के रिवा कारी जार अस्पन्न हैं तीवार और अस्पीत कार के मिला की किया मिला कार के मिला कहते दिवा के मैं कार्यों का मिला मोता की कार इसा ताल है कि सा कार पाती-पाती कार्यों के माने की मीता की पाती कार्यों के माने की मीता की पाती कार्यों के माने कार्यों माने कार्यों के माने कार्या मानिया माने पुरुष की स्था मानवार सामिया की माने पुरुष की स्थान माना सामिया की



य पूर्व जिस्तिय पूर्व स्वावार्य स्वाह्म्या तैन ने ताली बार रखी हुए सहा कि इस्ती कर में बहुत बान बाले भी एका होती हैं राज्यू सा से बारण न ती हम बहुत बार जाते हैं न ही भीते दिलंग ही को हैं। सामा रे बाले मुण्यित्त हैं हैं। का सामाने ताले को भी जबता है। त्वावार्यी बाल को

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियानः कपिल मलैया

हर यर उदमी, हर युवा उदमी विषद पर कार्वशाला आवोजित



अबर्ध कर देश है। यह अबर्ध अयद प रोकर एक अवसा है। उन्होंने कहा कि पुराओं को जैकरों सोनों जाना नहीं क्षरित प्रांप काथे वैकते हैं। बात करण परिता; बैटक में मुख्य अधिन पुरा नकसानों करमुंबर कर रे अपने तर रक्षते हुए बता कि हको जर में बहुर was well all your shift if you to के बरान र ते इस बुध कर पते है all while freely in rach \$1, conserv fo could कुष्यार्थ से है बन आपने जारे जारे

में अपन में अपन की स

series, seem firm all marries

भी जारत है। स्थापनी चाल जीनवार जारवी सदद में सामा, देशकानु । मध्यानंत्री भागा अभिनात के तहत पात भी को स्थानकर्तिक प्रदर्शित के ओर में को असल प्रदान for \$1 fee all severe an observed with on कारे के प्रदेशन में हा पर प्रदर्श, हा पूज प्रदर्श विकास पर पुताओं को नावसात चुन्ते का प्राचीतकता देते हुने बडा कि नावार से वहें कर्ष बूटी पर अपने से कारकार जुटा फिर असे को से निकार से अफारत फिरारी है। कार्यकार रंपरकार को कार्नकार का आयोजन हुआ। कार्नक्रम की क्षेत्रीचर करते हुए प्रति वह सक्त्यतक करिया परिचा ने कहा कि पुष्पार्थी की राज्यानकता तार्थन है एवं बरान्ट में उसीन के अंदिन कर में मुखाओं को उन्होंक्यात से जुड़ी सकांओं का समाधार किया गया। 100 में अधिक मुखाओं ने उन्होंक्यात की अपना प्रभावन है। उन्होंन व प्रकारणाह को सुक्राजन के for out you source I show alt serdicans बार्नेक्स में बुद्धका तान उठाया मेहक का अन्तर जिला up thif this all feature with it first out it from it पूर्वकारिक कार्यकार्त रविद्व राष्ट्रा में माना इस अवका फ if and are shan after pales pur me it fa प्रोतपूर्व कारिक रांका एका, प्रे. आसी प्रकारी, स्वीत रांची, एवंश सेतब, अरितात वर्ण, आफिस विक्रम, चेरिक हा काना पहले पहले कार्या कार्य सीखे तकि उसर्वे उद्योगत र्तन, राजीय तीवर, सूच जार्च, रायण फील, एकण कीर, रिमांजी फोल, मुक्ति दुवे आदि जारिका बी। के पुत्र विकासित हो सभें। पुत्र अपने राजियों के साथ 10-हर गुजार्थों का कपूर क्यावर उद्योगत की चर्चा गुजा करें।

श्री हनुमान चालीसा पदयात्रा का स्वागत

धाम की पदयात्रा

स्वदेश ज्वेति संवाददाता, सागर

देवास से अयोध्या धाम जा रही हनुमान चालीसा पदवात्रा का विचार समिति द्वारा मोतीनगर चौराहे पर स्वागत किया। पदवात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया।

पदयात्रा में शामिल दिव्य योग संस्था के संस्थापक « देवास से अयोध्या वोगगुरु राजेश बैरागी

ने बताया प्रतिदिन 60

किलोमीटर की पैदल याजा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा देश का युवा नशे से प्रसित होता जा रहा है, जिससे यवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जगह योगाध्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर की स्वस्थ रखना चाहिए।

रायबरेली से समाजसेवी आशीष शक्ल ने कहा समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकप्रित कर आपस में एकता

> और प्रसन्नता उत्पन करें। पदयात्रा रामसिंह, प्रदीप वैरागी मखान लाल धाकड

शामिल हैं। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अधियान के तहत गाय के गोबर से बनी घडी, माला एवं मोमेंटो से पदयात्रियों का स्वागत किया।



हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियानः कपिल मलैया

तरिभूमि बच्चम अभागायर

स्वायलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यायमार्थिक उद्योगता के क्षेत्र में नद् अवसम कर करने के उद्देश्य में 'हर पर उद्यमी, हर युवा उडकी 'विकव पर मेशलकर को मैजेंस्टक प्रताजा में कार्यकारता का अधीजन हुआ।

कार्यक्रम को राजेशित करते हुए प्रांत सह सम्भावक करिता गरीमा ने कहा कि तुकाओं की अच्छा संभावन है। उद्योग कर करिताया के मुख्यओं के लिए सबसे न्यादा आवश्यक है हिसला और आवश्यक्तिया पर दोने तुन्यों के क्वित्रेस्त करते के लिए कुक्ती दिख्यों से ही क्वित्रेस्त करते के लिए कुक्ती दिख्यों से ही क्वित्रेस्त करते के लिए कुक्ती दिख्यों से ही क्वित्रेस्त करते के लिए कुक्ती दिख्यों से हर होसे कि हर क्वा पहते च्यूने कर्या करता होसे कि उस क्वा पहते च्यूने क्यूने करता होसे हो जुना अपने साहित्यों के सुध्य प्रकार पुवाओं का समुद्र क्वाकर उद्योगता की च्यूने



सुक्त करें। तमें आपदा में अवस्था को तलावाना भारित, भारता विकास की सम्बंधिक आधारी बाला देता है। यह आधारी आपदा ने तोकर एक अधारा है। उन्होंने कहा कि दुवाओं को नीकरी बीगने वाला नहीं उद्योगता प्रत्येश करके नीकरी देने वाला बनना चाहिए।बैठक में मुख्य अतिथि बुक व्यवसायी जनकृत्रण जैन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हाको मन में बहुत कहा करने को इच्छा होती है पटना हुए के बहुत्त का तो हम कुछ कर पति है न ही कोई निर्माद ने पति है। सरकार ने सभी सुविधाई दो है बस आपको आगे आने की जरूरत है। स्वाक्तवी भारत अभिवान आपकी मदद के लिए है।

केंद्रक की अज्ञाल कर रहे जावसावी मनीज एवं ने नुवालों को जावसाव पुल्ने पर प्राथमिकता देते हुए कहा कि जावसाव में जुड़ें कभी मुद्दें पर अच्छे में जानवारी जुटाई पित अमें बढ़ें तो निक्कत हो मरावता मितती है। अम्बेताला के अंतिम मात्र में नुवालों की रूपतेत्राला में जुड़ें सक्कों जा स्थापता किया गया। 100 से अधिक चुक्कों ने स्वतिकार कार्यकाला से जुड़कर लाभ उठावा। बेटक का अधार तिला पूर्वकालिक कार्यकार विदेश सकुर ने माना

इस अवसर पर प्रंतपूर्ण बालिक संजय एका, प्रे अल सी प्रकारीत, नवीन सोनी, राजेल रीतम, अधिकात वर्ग, आदित्य विक्रम, योजेल सेन, राजीव तीमर, शुरू तर्मा, रचना एटेन, एकता बोर आदि उपस्थित सी.

देवास से अयोध्या तक हनुमान चालीस। पढ़ते पदयात्रा करने वालों का स्वागत



सागर, देशबन्ध । देवास से अयोध्या तक हनुमान चालीसा पहरं पदयात्रा सोमवार को सागर पहुंची। विचार समिति ने मोतीनगर चौराह पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया। सभी पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदवात्रा में दिव्य योग संख्या के संख्यापक वोगपुर राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीट की पैदल यात्रा करने का संकल्प लिया है। आज हमारे देश का पुन नशे से ग्रसित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है समाज में हर जगह योगाध्यास के शिकिर चलते रहते हैं सभी को योग से ज़ड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए। समिति द्वार स्थागत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्रोत प्रकट किया। रापबरेली से समाजसेवी आशीप शुक्ल का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोक अत्र उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता औ प्रसमता उत्पन्न करें। पदवात्रा में रामसिंह, प्रदीप वैरागी, मखान लाह धाकड आदि शामिल हैं। समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैव ने स्वदेशी अपनाओं अधियान के तहत गाय के गोबर से बनी घडी माला एवं मोमेंटो से सभी पदवात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सर्भ पदयात्रियों से समिति द्वारा कराये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भ में पहुंचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवा-सभी पदवात्रियों को शक्ति दें ताकि निर्विध्न वात्रा सम्पन्न हो सके पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रविन ठाक्र, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, गंगाराम, माधर यादव आदि ने स्वानत किया।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित



जन विभारी- गजेन्द्र ठाकुर

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर मंगलवार को मैजेस्टिक प्लाजा में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलेवा ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्वादा आवश्यक है हौसला और आतमिबश्चस। वह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखाना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखाना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखाना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है वनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। हमें आपदा में अवसर को तलाशना चाहिए, भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। वह आबादी आपदा न होकर एक अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

हमारे सहयोगी



























































निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें। दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है।

Bank - State Bank of India Bank A/c Name - Vichar Samiti Account No. - 37941791894 IFSC Code - SBIN0000475 Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे।



-: संपर्क :-



+91 95757 37475

linkedin.com/in/vichar-samiti

samiti.vichar@gmail.com

www.vicharsamiti.in

Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002 मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर